[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

और फिर आप इस सदन को बताइये कि आप क्या करने जा रहे हैं ?

श्री एस. एस. सुरजेवाला (हरियाणा): वाइस चेयरमन महोदय मैं यह कहना चाहूंगा कि पं. भगवत दयाल शर्मा हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री हैं 80 साल की उनकी उम्र है और वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं। उनके साथ पुलिस ने जो दुर्व्यवहार किया है उसके लिए मैं यह मांग करता हूं और मालवीय जी की बात का समर्थन करता हूं कि पुलिस के उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और होम मिनिस्टर महोदय से मैं दरख्वास्त करूंगा . . .

गृह मंत्री (श्री एस. बी. चव्हाण): इसके बारे में मैंने कल ही पुलिस कमिश्नर को लिखा है, ज्यों ही उनके पास से आकर आएगी सभा को बताया जाएगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Mrs. Verma ... (*Interruptions*)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : 5 तारीख की घटना है, आज 7 तारीख हो गई है। मेरी मांग यह है कि एक्शन होना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He has taken action... (*Interruptions*)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : वह कहते हैं मैंने चिट्ठी लिखी है... **(व्यवधान)** . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He has already taken action... (*Interruptions*) He has reacted to it... (*Interruptions*)

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): No, I have permited Mrs. Verma.

Re. Non-withdrawal of a false case against a women by police

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी आपके माध्यम से आज एक गंभीर मामला मैं सदन में उठाना चाहती हूं। कुछ समय पूर्व 29.04.92 को मैंने एक महिला—पूनम बालूजा—का जो शोषण हुआ था और दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर थाने में एस. आई. ने उनको फ्लेश ट्रेड में भेजने की कोशिश की थी वह केस मैंने उठाया था। मेरा कहना यह है कि उस पुलिस आफिसर के अरेस्ट केस साबित हो चुका है और गृह मंत्री जी का मेरे पास जवाब आया है कि उस एस.आई. को नौकरी से डिसमिस कर दिया गया है परन्तु मुझे दुख से कहना पड़ता है कि उस महिला के खिलाफ जो झूठा केस लगाकर उसको थाने में लाक-अप में एक रात बंद किया गया उसको आज तक थाने में चक्कर लगाने पड़ रहे हैं उसका केस बन्द नहीं हुआ है। अंदर-अंदर पुलिस का कहना है कि हम इस केस को सालों-साल लटकाएंगे और महिला को रोज थाने में बुलाएंगे। मजिस्ट्रेट के सामने केस की फाइल नहीं आई, वह कहते हैं कि विजिलेंस रिपोर्ट की फाइल नहीं आई है। तो मेरा कहना यह है कि जिस पुलिस एस.आई. के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है और साबित हो चुका है कि इस मामले में उसने उस औरत को फ्लेश ट्रेड में धकेलने की कोशिश की थी उसको तो नौकरी से डिसमिस कर दिया गया, लेकिन महिला के खिलाफ जो झूठा चार्ज लगाया था, उसको आज तक खारिज नहीं किया गया है।

मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि इस केस के मामले को आप जल्दी से निपटवाएं, महिला पर जो झूठा चार्ज लगाकर उस पर सब चीज़ आरोपित की थी, इस केस को खारिज करवाएं और फिर महिला को कुछ सम्मानित नौकरी दिलवाई जाए। मैं सदन के द्वारा आपसे यह आग्रह करना चाहूंगी।

गृह मंत्री (श्री एस. बी. चव्हाण) मैं इसके अंदर जरूर ध्यान दूंगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He is reacting to it. It is an important issue.

श्री एस०बी० चव्हाण : उपसभाध्यक्ष महोदय अभी जो कहा गया मैं इस मामले में खुद जानकारी हासिल करके जरूरी कार्रवाई करूंगा।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, मेरा यह निवेदन होगा कि इस मामले की पूरी जानकारी हासिल करके मंत्री जी सदन को अवगत कराएं। केवल माननीय सदस्या को नहीं, सदन को अवगत कराए क्योंकि यह मामला बार-बार उठता है और हम सब लोग इसके लिए परेशान हैं।

Re. Demonstration by Bhartiya Bhasha Sanrakshan Sanghthan

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, कल यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन के सामने भारतीय भाषा संरक्षण संगठन की ओर से एक प्रदर्शन किया गया जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी भी उपस्थित थे, उन्होंने नेतृत्व किया। उनकी मांग यह थी कि भारतीय भाषाओं को सरकार उचित संरक्षण प्रदान करे और भारतीय भाषाओं के विकास के लिए सरकार को आगे आना चाहिए। साथ ही एक बात उन्होंने और भी कही कि केरल में एक ऐसे स्कूल में, जहां पर कि किसी लड़के ने वहां की मलयालम भाषा का प्रयोग किया, उसके लिए उसे स्कूल से बाहर निकाल दिया गया और कहा गया कि तुम अंग्रेजी का व्यवहार करो। इस तरह की शर्मनाक घटना इस देश में नहीं होनी चाहिए। मैं चाहूंगा कि माननीय गृह मंत्री जी इसकी जांच करें और एक वक्तव्य दें।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Dr. Jain, I told you that it had already been discussed... (*Interruptions*) No, I will not allow you. You came to me and I asked you as to what you wanted to raise . . . (*Interruptions*) It is on old story now.

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat): We are proud of the institutions of this country. And among them, we are very, very proud of two—one is the RBI and the other is the CBI. We have talked a lot about the scam. And a JPC is also being formed. But in the meantime, a new thing has come to light which I have always been talking about . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): That you can forward to the Committee . . . (*Interruption*).

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: It has come out in today's newspapers that the CBI officials . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): No, please (*Interruptions*) ...

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Sir, it is given in inverted commas . . . (*Interruptions*).

Sir, it is in inverted commas. It is with the direct connivance of the RBI themselves and because of . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Mr. Trivedi, you can send everything to the JPC . . . (*Interruptions*) . . .

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: I had gone on record saying that if you start giving a clean chit to RBI you are sending wrong signals to the CBI and precisely that is what happened. It is also reported that this is one of the reasons for Mr. Madhavan's retirement . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): No ... (*Interruptions*) ... No further ...